सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 231 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 27 सितम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

जब प्यार और नफरत दोनों ही ना हो तो हर चीज साफ और स्पष्ट हो जाती है।
-ओशो

भारत ने श्रीलंका को सुपरओवर में... 7 | बिछी बिहार में विस चुनाव की... 3 | केंद्र की वजह से भारत के व्यवसायों... 2

वांगचुक से क्या डर गयी मोदी सरकार?

राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत किया गया गिरफ्तार

» गिरफ्तारी का विरोध शुरू, कांग्रेस ने वांगचुक की गिरफ्तारी को तानाशाही बताया

» क्षेत्रीय दलों ने भी गिरफ्तारी के विरोध में आवाज उठाना शुरू किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक ऐसा व्यक्ति जो जीवनभर शिक्षा, पर्यावरण और समाज सेवा के लिए जाना जाता रहा अचानक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन गया है। लेह में हुई हिंसा के बाद सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून एनएसए के तहत गिरफ्तार किया जा चुका है और उनकी गिरफ्तारी की खबर ने पूरे देश की राजनीति को और ज्यादा गर्म कर दिया है।

सरकार का तर्क है कि वांगचुक की गतिविधियां कानून व्यवस्था को चुनौती दे रही है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कोई सामाजिक कार्यकर्ता, जो जीवनभर शिक्षा, पर्यावरण और समाज सेवा के लिए जाना जाता है अचानक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा कैसे बन सकता है? या फिर यह गिरफ्तारी सरकार की नीतियों पर बढ़ते असंतोष और जनता की बेचैनी से उपजे डर का नतीजा है? खबर लिखे जाने तक कांग्रेस ने इस गिरफ्तारी का विरोध शुरू कर दिया है और वांगचुक की गिरफ्तारी को सरकार की नीतियों पर बढ़ते असंतोष और जनता की बेचैनी से उपजे डर का नतीजा बताया है।

वांगचुक पर हिंसा भड़काने का आरोप

सोनाम वांगचुक पर लद्दाख के लेह शहर में हिंसा भड़काने का आरोप है जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। वांगचुक 10 सितंबर को राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची में शामिल करने और लद्दाख के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे थे। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को असंवैधानिक करार देते हुए केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। अजय राय के मुताबिक सरकार महंगाई और बेरोजगारी पर से ध्यान भटकाने के लिए यह सब कुछ कर रही है।

गिरफ्तारी का विरोध शुरू

उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश दुबे ने गिरफ्तारी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि केंद्र सरकार तानाशाही रवैया अपना रही है। अविनाश दुबे ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। आज पूरे देश में तानाशाही का माहौल है। लोकतंत्र में लोगों को कार्य करने और बोलने की आजादी है। अगर जनता की भावनाओं और उनकी मांगों को इस तरह दबाया जाएगा तो यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। सोनम वांगचुक की केवल यही मांग है कि लद्दाख की स्वायत्तता, जिसे एक राज्य के रूप में घोषित किया गया था को प्रभाव में लाया जाए। उन्होंने कहा कि वहां की जनता जिन समस्याओं और तकलीफों का

सामना कर रही है उन्हें समझा जाना चाहिए। दुबे ने आरोप लगाया कि वहां सरकार नाम की कोई चीज नहीं है न कोई जिम्मेदारी लेने वाला है। अगर वांगचुक ने जनता की आवाज उठाई है तो पूरा देश उनके साथ खड़ा है। उनके सम्मान के साथ उनकी बातों को अहमियत दी जानी चाहिए न कि उनके साथ एक अपराधी जैसा सुलूक किया जाना चाहिए।

लेह के हर कोने में सन्नाटा, गिरफ्तारी के बाद इंटरनेट सेवाएं बंद

लद्दाख में बुधवार को हुई हिंसा के सिलसिले में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के कुछ ही घंटों बाद, प्रशासन ने शुक्रवार को लेह में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दीं। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। 59 वर्षीय वांगचुक ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया और लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग की। नवप्रवर्तक-सुधारवादी वांगचुक ने केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) के लिए राज्य का दर्जा देने की भी मांग की है, जिसे अगस्त 2019 में केंद्र द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद जम्मू और कश्मीर से अलग कर दिया गया था। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने वांगचुक द्वारा स्थापित एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (एसईसीएमओएल) का विदेशी फंडिंग लाइसेंस भी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया। अपने आदेश में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि वांगचुक के एनजीओ ने नकद राशि प्राप्त की, जो विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम की धारा 17 का उल्लंघन है। गृह मंत्रालय के आदेश में कहा गया कि इसके अलावा एसोसिएशन द्वारा सोनम वांगचुक से एफसी दान के रूप में 3.35 लाख रुपये की राशि की सूचना दी गई है। हालांकि, यह लेनदेन एफसीआरए खाते में नहीं दिखाया गया है, जो अधिनियम की धारा 18 का उल्लंघन है।

नेशनल पालिटिक्स में लेह बना मुद्दा

लेह में लगी आग अब सिर्फ स्थानीय मुद्दा नहीं रहा। धीरे-धीरे यह उस राजनीति का आईना बनता जा रहा है जिसमें असहमति को अपराध बना दिया गया है। कांग्रेस ने इस गिरफ्तारी को तानाशाही करार दिया। उनका कहना है कि मोदी सरकार हर जगह विपक्ष को कुचलने की कोशिश कर रही है, चाहे वह संसद हो मीडिया हो या सड़क। लेह की घटना पर अब क्षेत्रिय दलों ने भी बोलना शुरू कर दिया है जम्मू-कश्मीर और उत्तर-पूर्व के नेता भी चुप नहीं हैं। उनका कहना है कि अगर लद्दाख जैसे शांत इलाके में आवाज उठाने वालों को जेल भेजा जा सकता है तो देश में कोई भी सुरक्षित नहीं रहा। वहीं आम लोग अब यह पूछ रहे हैं कि जो सरकार पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था, विश्वगुरु और विकसित भारत के नारे लगा रही है वही क्यों एक छोटे-से आंदोलन से डरकर एनएसए लगाने पर उतर आती है।

क्यों भड़की लेह में आग?

लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा मिले अब पांच साल से अधिक हो चुके हैं। जब अनुच्छेद 370 हटाया गया था तब लद्दाख को सीधे दिल्ली से विकास का सपना दिखाया गया। लोगों ने सोचा कि अब उनकी पहचान संस्कृति और पर्यावरण को और मजबूती मिलेगी। लेकिन हुआ ठीक उल्टा। लद्दाख की आबादी का बड़ा हिस्सा जनजातीय समुदाय से आता है। उनकी मांग है कि उन्हें छठी अनुसूची का संरक्षण मिले ताकि जमीन और संस्कृति सुरक्षित रह सके। लेकिन यह मांग लगातार टलती जा रही है। पर्यटन और सेना की छावनियों के बीच लद्दाखी युवाओं को नौकरी और रोजगार की संभावनाएं कम मिलीं। दिल्ली से आने वाले बड़े कॉर्पोरेट और ठेकेदार स्थानीय अर्थव्यवस्था पर हावी होने लगे। यही नहीं ग्लेशियर पिघल रहे हैं पानी की किल्लत बढ़ रही है। लेकिन सरकार के विकास मॉडल में इन मुद्दों की कोई जगह नहीं मिल पा रही। इन सबके बीच सोनम वांगचुक जैसे कार्यकर्ताओं ने आवाज उठाई। उन्होंने शांतिपूर्ण धरने, उपवास और जनसभाओं से सरकार को याद दिलाने की कोशिश की कि लद्दाख सिर्फ रणनीतिक क्षेत्र नहीं बल्कि जीवित संस्कृति और प्रकृति की धरोहर है।

केंद्र की वजह से भारत के व्यवसायों को हो रहा नुकसान : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख ने टैरिफ मामले पर सरकार पर साधा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा पर तीखा प्रहार किया है। सपा मुखिया ने भारतीय जनता पार्टी की विदेश नीति को विफल करार दिया और अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के कारण भारत के व्यवसायों और व्यापार को हो रहे नुकसान के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

अखिलेश यादव की यह कड़ी आलोचना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 1 अक्टूबर से प्रभावी ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद आई है।अखिलेश यादव ने कहा कि वे हमारी अर्थव्यवस्था को लगातार नुकसान पहुँचा रहे हैं। और टैरिफ के कारण हमारे व्यापार को नुकसान हो रहा है। उधर इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस (आईपीए) के महासचिव सुदर्शन जैन ने कहा, आयातित दवाओं पर यह 100 प्रतिशत टैरिफ अमेरिका के बाहर निर्मित पेटेंट ब्रांडेड उत्पादों पर लागू है। यह जेनेरिक दवाओं पर लागू नहीं होता, क्योंकि भारत अमेरिका को ज़्यादातर जेनेरिक उत्पाद ही देता है। भारत अमेरिका को लगभग 10 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य की दवाइयाँ निर्यात करता है। इनमें मुख्य रूप से जेनेरिक उत्पाद और एपीआई शामिल हैं। इसलिए इस आदेश से भारत पर कोई असर पड़ने की संभावना नहीं है।

जीएसटी सुधारों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा

इसके अतिरिक्त, अखिलेश यादव ने जीएसटी सुधारों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा और पूछा कि क्या सरकार पिछले नौ वर्षों से जीएसटी के नकारात्मक प्रभाव से अनजान थी। यादव ने तर्क दिया कि नए सुधार सरकार के मुनाफे को बनाए रखते हैं, क्योंकि उन्होंने एक क्षेत्र में जीएसटी बढ़ाया और दूसरे में इसे कम किया।

भाजपा की विफल विदेश नीति से देश को नुकसान

भाजपा की विदेश नीति विफल होती दिख रही है। यह उनकी विफलता है कि हमारे व्यवसाय, व्यापार और हमारा राष्ट्र नुकसान उठा रहे हैं। अगर 50-100प्रतिशत टैरिफ लग जाएँ तो हमारे व्यापारी और कारोबारी क्या करेंगे? 100 प्रतिशत टैरिफ केवल पेटेंट या ब्रांडेड उत्पादों पर लागू होते हैं और जेनेरिक दवाओं पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत द्वारा अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात में मुख्य रूप से जेनेरिक दवाएं और सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) शामिल हैं, जो इस टैरिफ के अंतर्गत नहीं आते।

मुरली मनोहर जोशी ने चारधाम परियोजना के खिलाफ उठाई आवाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने चारधाम परियोजना के खिलाफ अपनी आवाज उठाई है। उन्होंने इस परियोजना को लेकर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा है। साथ इस परियोजना को लेकर अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की है।

उन्होंने अपने इस पत्र में हिमाचल प्रदेश में बीते दिनों आई प्राकृतिक आपदाओं का भी जिक्र किया है. आपको बता दें ष्टछ्ठड्ड को जिन लोगों ने पत्र लिखकर इस परियोजना को लेकर कोर्ट के फैसले पर विचार करने की बात कही है, उनमें डॉ कर्ण सिंह, डॉ मुरली मनोहर जोशी, कुंवर रेवती रमण सिंह, के एन गोविंदाचार्य, प्रो शेखर पाठक, रामचंद्र गुहा, सांसद रंजीत रंजन, उज्ज्वल रमन सिंह जैसे नाम शामिल हैं। मुरली मनोहर जोशी ने सीजेआई को लिखे अपने पत्र में कोर्ट के उस आदेश का जिक्र किया है इसमें चारधाम परियोजना के तहत सड़कों के चौड़ीकरण की अनुमति देने की बात कही है। जोशी ने अदालत से अपने पहले के आदेश की समीक्षा करने की मांग की है। इस पत्र में कहा गया है कि इस तरह की स्थिति बेहद खतरनाक है। पत्र में कहा गया है कि हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश में उभरते अस्तित्वगत संकट को स्वीकार किया है। यदि अभी सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो पूरे देश को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

राजनीति में एकतरफा मोहब्बत नहीं चलती : ओवैसी

» बिहार में राजद से गठबंधन पर बोले एआईएमआईएम चीफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनावों के लिए राजद के साथ गठबंधन की इच्छा जताई थी, लेकिन वहां से सकारात्मक जवाब नहीं मिला।

हैदराबाद के सांसद ओवैसी इन दिनों पूर्वी बिहार के सीमांचल क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं जहां मुस्लिम आबादी का बड़ा हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''गठबंधन की हमारी इच्छा कमजोरी का संकेत नहीं थी। हम चुनाव जीतने के लिए लड़ेंगे। लेकिन राजनीति में एकतरफा मोहब्बत नहीं चलती। ऐसी बातें सिर्फ फिल्मों में अच्छी लगती हैं, जहां कॉलेज जाने वाले लड़का-लड़की के किरदार निभाए जाते हैं। ओवैसी ने कहा, ''भारत की खूबसूरती इसकी विविधता में है, जहां अलग-अलग धर्मों को पनपने का अवसर मिला है। संविधान ने हर नागरिक को धर्म की स्वतंत्रता दी है।'' उन्होंने दावा किया, ''भारत में मुसलमान भले ही बहुसंख्यक न हों, लेकिन पूरे उपमहाद्वीप के किसी भी देश की तुलना में उनकी संख्या यहां सबसे अधिक है। भाजपा-आरएसएस देश को बदनामी कर रहे हैं।

भाजपा व आरएसएस मोहब्बत के ही खिलाफ हैं

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित उत्तर प्रदेश में ''आई लव मोहम्मद'' लिखे पोस्टरों पर विवाद को लेकर पूछे गए सवाल पर ओवैसी ने कहा, ''पैगंबर के प्रति मुसलमानों की मोहब्बत जताने में कोई आपत्तिजनक बात नहीं है। मुझे समझ नहीं आता भाजपा-आरएसएस को समस्या क्या है?''ओवैसी ने कहा, ''अगर उन्हें 'आई लव मुहम्मद' नारा देशविरोधी लगता है तो इसका मतलब है कि वे मोहब्बत के ही खिलाफ हैं। हालांकि फिल्मों में प्यार के किस्से देखना उन्हें अच्छा लगता है।'

सरकार निर्णायक कार्य नहीं कर रही : पवार

» महाराष्ट्र में बारिश एक आपदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में भारी बारिश से हुए व्यापक नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि इस आपदा ने किसानों को तबाह कर दिया और ग्रामीण जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। उन्होंने राज्य सरकार से राहत एवं पुनर्वास प्रयासों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

पूर्व मुख्यमंत्री पवार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस आपदा ने न केवल फसलों को नष्ट किया बल्कि बड़े पैमाने पर जानवरों की भी मौत हुई है, जिससे कृषक समुदाय गंभीर संकट में है। उन्होंने कहा,इस प्राकृतिक आपदा का असर केवल किसानों तक ही सीमित नहीं है। छोटे व बड़े व्यवसाय, कारीगर, खेतिहर मजदूर और गांवों में पारंपरिक बलूतेदार और पिछड़े समुदायों के सदस्य भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। पवार ने ग्रामीण क्षेत्रों में बिगड़ती स्थिति पर प्रकाश डालते हुए ईंधन व आवश्यक खाद्य आपूर्ति की भारी कमी की ओर इशारा किया और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को तत्काल सक्रिय व सुदृढ़ करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, बीमारियों के फैलने का खतरा बहुत ज्यादा है और स्वास्थ्य सेवाएं बिना किसी देरी के उपलब्ध कराई जानी चाहिए। शिक्षा भी बुरी तरह प्रभावित हुई है और इस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों में मंत्रियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के लगातार दौरों की भी आलोचना की।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर आने वाले नेताओं को काले झंडे दिखाना निंदनीय : बावनकुले

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि राज्य में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर आने वाले नेताओं के खिलाफ काले झंडे दिखाने की घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस तरह के कृत्य के पीछे जो लोग भी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने कहा कि यह सही नहीं है कि प्रदर्शनकारियों द्वारा नेताओं के काफिले को ऐसे स्थानों पर रोका जाए। महाराष्ट्र के कई हिस्सों विशेषकर मराठवाड़ा में 20 सितंबर से भारी बारिश हुई है। बारिश के कारण यहां हजारों हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें नष्ट हो गई हैं और कई लाख किसान गंभीर संकट में हैं। बावनकुले ने अमरावती में पत्रकारों से कहा, ''अगर कोई बयान देना चाहता है, तो मैं उसे स्वीकार करने के लिए तैयार हूं लेकिन यह (काले झंडे दिखाना) विरोध का तरीका नहीं है। अगर यह जारी रहा, तो हमें भी उसी तरह जवाब देना होगा। ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।'' मंत्री ने कहा कि भारी बारिश और बाढ़ के कारण जिन किसानों की फसलें, पशुधन और मकान नष्ट हुए हैं, उन्हें मुआवज़े की प्रक्रिया में पीछे नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा गया है कि क्षति आकलन की प्रक्रिया में कोई भी किसान छूटने न पाए। निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मुद्दों की समीक्षा करने के लिए अमरावती में आए बावनकुले ने भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण के साथ भी चर्चा की। बावनकुले ने सर्वर डाउनटाइम के कारण ई-केवाईसी प्रक्रियाओं में कठिनाइयों को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट मिलने के बाद उचित कार्रवाई शुरू की जाएगी। उन्होंने राकांपा (एसपी) विधायक जयंत पाटिल की बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए 50 हजार रुपये वार्षिक वित्तीय सहायता की मांग को भी खारिज कर दिया। बावनकुले ने दावा किया, ''ये झूठे हैं और वे ऐसी चीजों को कभी लागू नहीं करेंगे।

भाजपा शासित राज्य सोने के बन गए क्या : अभिषेक बनर्जी

» शाह के सोनार बांग्ला वाले बयान पर भड़की टीएमसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा कि आप उनसे पूछिए कि बंगाल का जो 2 लाख करोड़ रोक कर रखे हैं वो पैसा आप कब छोड़ेंगे और किस आधार और नियम पर रोक कर रखे हैं।

अगर गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं कि टीएमसी की तरफ से झूठ बोल जा रहा है। तो आप मुझे बता दीजिए मैं पूरे दस्तावेज लेकर आ जाऊंगा। 2 लाख करोड़ आप किस हक पर रोक कर रखे हैं। आप सोनार बंगाला बनाने की बात करते हैं। दो दिन पहले बिहार में सड़क धंस गई तो क्या सोनार बिहार बना क्या? गुजरात और महाराष्ट्र में रोज ब्रिज टूट रहे हैं तो क्या सोनार गुजरात और महाराष्ट्र बना क्या? सोने का उत्तर प्रदेश बना क्या? ये पैसा जो आप बंगाल से लेकर जा रहे हैं ये कहीं न कही उत्तर प्रदेश , गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश में लगा रहे हैं....दो हिन पहले बंगाल में बारिश हुआ तो मीडिया में दिखाया गया कि बंगाल का हाल देखो। हर चीज में आपको राजनीति करना है तो आप बंगाल का वील पावर भी देखिए 48 घंटे में आप सब यही से चलकर जा रहे हैं....ये यही दिखाता है कि सरकार की अगर मानसिकता हो काम करने की तो असंभव को संभव किया जा सकता है और यही हमारी सरकार ने करके दिखाया है।

बिछी बिहार में विस चुनाव की सियासी बिसात

राजनीतिक दल अपनी-अपनी कमर कसने में लगे

- नेताओं का एक दूसरे पर प्रहार जारी
- भाजपा, कांग्रेस, जदयू सभी ने बनाई रणनीति
- रोहिणी की नाराजगी को लेकर तेजस्वी ने तोड़ी चुप्पी बीजेपी पर गरजे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में विस चुनाव की सियासी विसात बिछने लगी है। जहां सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी कमर कसने लगे हैं वहीं नेता एक दूसरे पर प्रहार करने लगे हैं। लालू के बड़े बेटे तेजप्रताप ने नई पार्टी का गठन कर लिया है। वहीं तेजस्वी ने बीजेपी पर करारा वार किया है। वहीं संतों के साथ-साथ कई क्षेत्रीय क्षत्रप भी बिहार के चुनावी मैदान में बाजी मारने की तैयारी में जुट गए हैं। पारिवारिक कलह के आरोपों के बीच तेजस्वी यादव ने बहन रोहिणी आचार्य का बचाव करते हुए भाजपा पर निजी मामलों को राजनीतिक मुद्दा बनाने का आरोप लगाया।

उन्होंने रोहिणी के त्याग और पार्टी में योगदान को रेखांकित किया, साथ ही लालू प्रसाद यादव को किडनी दान करने का उल्लेख किया। यह घटनाक्रम आगामी बिहार चुनाव से पहले राजद की आंतरिक चुनौतियों को उजागर करता है। लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य और रणनीतिकार संजय यादव के बीच बढ़ती दरार के बीच, राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने शुक्रवार को अपनी बहन का बचाव करते हुए अपना पहला सार्वजनिक बयान जारी किया और व्यक्तिगत मामलों को राजनीति में घसीटने के लिए भाजपा पर हमला किया। तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है, लेकिन हम इसे राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाते। हमारा ध्यान सिर्फ बिहार के विकास पर है। रोहिणी दीदी मेरी बड़ी बहन हैं। उन्होंने मुझे पाला है। उनका त्याग आज के जमाने में कम ही देखने को मिलता है। उन्होंने मेरे पिता को अपनी किडनी दान कर दी थी। तेजस्वी ने कहा कि छपरा की जनता चाहती थी कि उन्हें छपरा से टिकट मिले, और लालू जी ने लोगों की मांग और पार्टी कार्यकर्ताओं के सुझाव सुने और उन्हें टिकट दे दिया। रोहिणी पार्टी को मजबूत कर रही हैं और हमारा आत्मविश्वास बढ़ा रही हैं। तेजस्वी ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर भी निशाना साधा और उनके पिछले बयान को याद दिलाया कि लालू यादव टिकट दे रहे हैं और किडनी ले रहे हैं, जिसे उन्होंने पिता-पुत्री के रिश्ते का अपमान बताया। उन्होंने पूछा, क्या ये लोग मां-बहनों की इज्जत करते हैं?

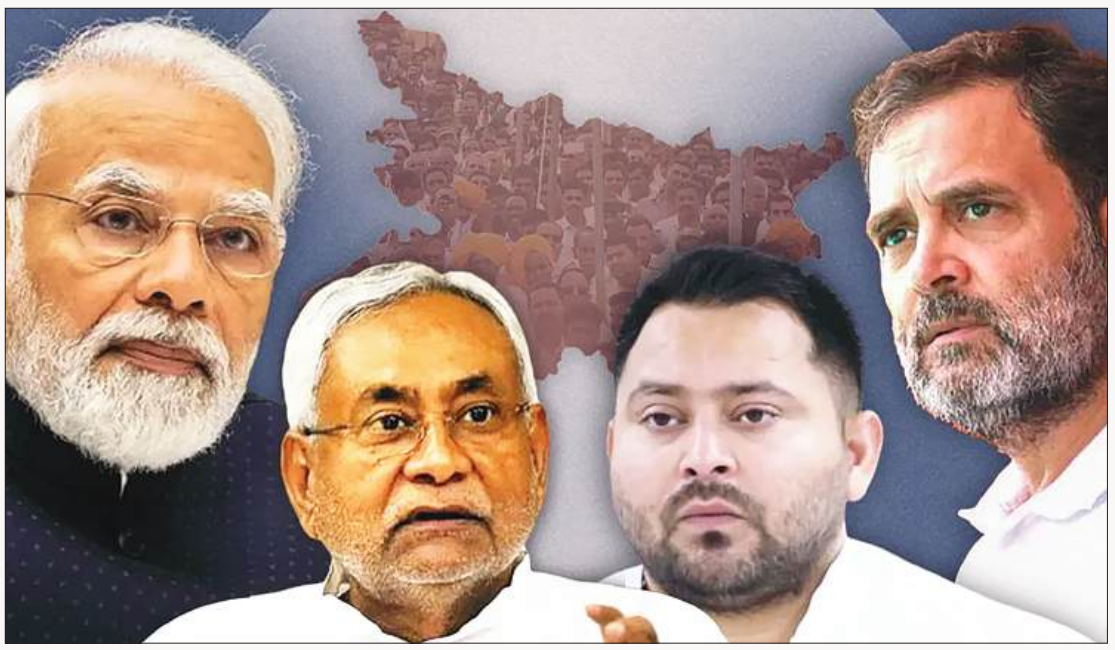

नीतीश का लालू पर सीधा हमला

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद नेता लालू प्रसाद यादव पर तीखा हमला बोला और कहा कि उन्हें सिर्फ अपने परिवार की चिंता है, बिहार की जनता की नहीं। लालू यादव का नाम लिए बिना नीतीश कुमार ने कहा कि उन्होंने पद से हटने के बाद अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाया था। नीतीश ने कहा कि हम सिर्फ अपने परिवार के लिए नहीं, बल्कि पूरे बिहार के लिए काम करते हैं। बिहार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के शुभारंभ के दौरान, नीतीश कुमार ने कहा कि मैं महिलाओं से कहना चाहता हूं कि बहुत काम हो रहा है और प्रधानमंत्री आपके लिए काम कर रहे हैं। पिछली सरकार महिलाओं के लिए नहीं थी। क्या आपको पता है, जब उन्हें (लालू यादव को) हटाया गया, तो उन्होंने अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाया। उन्हें अपने परिवार की चिंता थी। हम अपने परिवार की नहीं, बल्कि पूरे बिहार के लिए काम करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में असली विकास जेडी(यू)-बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के सत्ता में आने के बाद ही हुआ। पिछली सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि पहले कोई उचित काम नहीं हुआ, लेकिन 2005 से राज्य भर में कानून-व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और महिला सशक्तिकरण को बेहतर बनाने के प्रयास किए गए हैं। कुमार ने कहा आप सभी जानते हैं कि पिछली सरकार ने ज्यादा काम नहीं किया था और बिहार की स्थिति अच्छी नहीं थी। लेकिन 24 नवंबर, 2005 को जेडी(यू), बीजेपी और एनडीए सरकार के सत्ता में आने के बाद से बिहार विकास और कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रहा है। हर क्षेत्र में काम हो रहा है, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य सेवा हो या कुछ और। हमने शुरू से ही महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बिहार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत, बिहार की 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपये की राशि हस्तांतरित की जा रही है, जो कुल 7,500 करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, बिहार सरकार की इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और स्वरोजगार एवं आजीविका के अवसरों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। यह योजना राज्य के प्रत्येक परिवार की एक महिला को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी, जिससे वे अपनी पसंद का रोजगार या आजीविका गतिविधियां शुरू कर सकेंगी, जिससे आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा।

भाजपा ने सोशल मीडिया पर हमला किया तेज

इस बीच, भाजपा ने सोशल मीडिया पर अपना हमला तेज कर दिया और दो तस्वीरों के साथ पोस्ट किया, रणनीतिकार संजय यादव की नई रणनीति - लालू प्रसाद की बेटी को बदनाम करना। जैसे-जैसे राज्य विधानसभा चुनाव के करीब आ रहा है, तेजस्वी के सामने बिहार में सरकार बनाने के लिए समर्थन जुटाने और अपने ही परिवार के भीतर तनाव को संभालने की दोहरी चुनौती है। विश्लेषकों का मानना है कि प्रचारित मतभेद राजद नेतृत्व के भीतर एकजुटता को लेकर मतदाताओं की चिंताएं बढ़ा सकते हैं।

24 से ज्यादा जनसभाएं करेंगे ओवैसी

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ओवैसी किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया जैसे मुस्लिम बहुल जिलों में 24 से ज्यादा जनसभाएं करेंगे। इस अभियान में क्षेत्र के पिछड़ेपन, अशिक्षा, बेरोजगारी और गरीबी को उजागर करने की उम्मीद है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि ओवैसी सबसे पहले 2020 में एआईएमआईएम द्वारा जीते गए पांच निर्वाचन क्षेत्रों को निशाना बनाएंगे, ताकि 2022 में चार विधायकों के राजद में शामिल होने के बावजूद अपना आधार मजबूत किया जा सके।

ओवैसी ने पहले की गठबंधन की पेशकश, फिर सीमांचल में राजद को हराने का भरी हुंकार

2020 के चुनावों में एआईएमआईएम ने 19 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा और पांच पर जीत हासिल की, ये सभी सीमांचल क्षेत्र में हैं जहां मुस्लिम आबादी अच्छी-खासी है। इस क्षेत्र में पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज और अररिया जिले शामिल हैं। लोकसभा चुनावों में एआईएमआईएम ने बिहार में 15 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन एक भी सीट नहीं जीत पाई। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए राज्य के सीमांचल क्षेत्र में अपने अभियान की शुरुआत अकेले ही कर दी है। उनकी पार्टी का भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन (इंडिया) के साथ गठबंधन को लेकर अभी तक कोई ठोस जवाब नहीं मिल पाया है। 2020 के चुनावों में एआईएमआईएम ने 19 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा और पांच पर जीत हासिल की, ये सभी सीमांचल क्षेत्र में हैं जहां मुस्लिम आबादी अच्छी-खासी है। इस क्षेत्र में पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज और अररिया जिले शामिल हैं। लोकसभा चुनावों में एआईएमआईएम ने बिहार में 15 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन एक भी सीट नहीं जीत पाई। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी की बिहार इकाई के प्रमुख अख्तरुल ईमान ने बिहार में संभावित चुनाव पूर्व गठबंधन के संबंध में तेजस्वी यादव को पत्र लिखा है। किशनगंज में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ओवैसी ने कहा कि अख्तरुल ईमान ने यादव से कहा कि एआईएमआईएम नवंबर में होने वाले चुनाव में 243 में से छह सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। इस गठबंधन में फिलहाल राजद प्रमुख साझेदार है, कांग्रेस दूसरे नंबर पर है तथा कई अन्य पार्टियां भी इसमें शामिल हैं। एक समाचार एजेंसी से बात करते हुए ओवैसी ने कहा कि अख्तरुल ईमान ने यहां के नेता प्रतिपक्ष (तेजस्वी यादव) को पत्र लिखा है, और हमने मीडिया के माध्यम से कहा है कि एआईएमआईएम गठबंधन के लिए तैयार है। अख्तरुल ईमान ने यह भी लिखा है कि वे हमें छह सीटें दे सकते हैं। ओवैसी ने कहा कि हम आरजेडी से गठबंधन करने के लिए तैयार थे। आरजेडी को इस बार फिर सीमांचल में हराएंगे।

तेज प्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल दिखाएगी दम

बिहार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेज प्रताप यादव ने आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की है। उनकी राजनीतिक पार्टी का नाम जनशक्ति जनता दल रखा गया है और इसका चुनाव चिन्ह ब्लैक बोर्ड है। तेज प्रताप यादव ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पार्टी का पोस्टर भी शेयर किया है। तेज प्रताप ने एक्स पर लिखा, हम बिहार के समग्र विकास के लिए पूरी तरह समर्पित और तत्पर हैं। हमारा उद्देश्य बिहार में आमूलचूल परिवर्तन लाकर एक नई व्यवस्था स्थापित करना है। बिहार के समग्र विकास के लिए हम लंबी लड़ाई लड़ने को तैयार हैं। पार्टी के पोस्टर में तेज प्रताप ने पांच प्रमुख नेताओं और हस्तियों को भी शामिल किया है। पोस्टर में महात्मा गांधी, भीमराव अंबेडकर, राम मनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण और कर्पूरी ठाकुर को दिखाया गया है। गौरतलब है कि तेज प्रताप ने अपने पिता लालू प्रसाद यादव को पोस्टर में शामिल नहीं किया है। तेज प्रताप यादव की नई पार्टी के पोस्टर पर लिखा है।

जनशक्ति जनता दल, सामाजिक न्याय - सामाजिक अधिकार - सम्पूर्ण परिवर्तन। जनता की शक्ति, जनता का शासन - तेज प्रताप बिहार का विकास सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही, जनशक्ति जनता दल से जुड़ने के इच्छुक लोगों के लिए एक मोबाइल नंबर भी जारी किया गया है। तेज प्रताप ने दावा किया है कि वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव महुआ विधानसभा क्षेत्र से लड़ेंगे। इससे पहले, 2015 में भी उन्होंने महुआ से चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी। तेज प्रताप ने महुआ को अपनी कर्मभूमि बताते हुए कहा कि अगर कोई और महुआ से चुनाव लड़ता है, तो जनता उसे हरा देगी। इसी साल मई में लालू प्रसाद यादव ने तेज प्रताप यादव को परिवार और पार्टी दोनों से निष्कासित कर दिया था और उनसे सारे रिश्ते तोड़ लिए थे। इससे पहले, तेज प्रताप के फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट छपी थी जिसमें दावा किया गया था कि वह पिछले 12 सालों से एक लड़की (अनुष्का) के साथ रिलेशनशिप में हैं। इस घटना ने लालू परिवार में विवाद को जन्म दे दिया था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

समस्या बड़ी और गंभीर ध्यान देने की जरूरत

> ये छुट्टा जानवर खेतों में खड़ी फसलों तक को नुकसान कर देते हैं। इससे ग्रामीण इलाकों में कभी-कभी वहां रह रहे निवासियों के बीच हिंसक झड़पें सुनने को मिलती हैं जिससे वहां का माहौल खराब हो जाता है। पशु निराश्रित नहीं है, उनको तो इस हाल में लाने के लिए वे लोग जिम्मेदार हैं जो उन्हें निराश्रित छोड़ देते हैं। इनके अचानक से वाहन के सामने आ जाने से दुर्घटनाएं हो जाती हैं।

खबर छोटी हो सकती है पर यह समस्या बड़ी और गंभीर है। देश के हर शहर में छुट्टा जानवरों के झुंड के झुंड सड़क घेरे बैठे रहते हैं। इतना तो ठीक है पर ये इतने आतंकित करते हैं लोग इनसे सहमे रहते हैं। कभी कभी तो ये हिंसक हो जाते हैं और लोगों की जान तक ले लेते हैं। सरकारों व शहर के प्रशासन को इसका निदान करना चाहिए। साथ ही आम लोगों को भी इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए। ये समस्या शहरों में ही नहीं गांवों में भी बड़ स्तर पर फैली है। ये छुट्टा जानवर खेतों में खड़ी फसलों तक को नुकसान कर देते हैं। इससे ग्रामीण इलाकों में कभी-कभी वहां रह रहे निवासियों के बीच हिंसक झड़पें सुनने को मिलती हैं जिससे वहां का माहौल खराब हो जाता है। पशु निराश्रित नहीं है, उनको तो इस हाल में लाने के लिए वे लोग जिम्मेदार हैं जो उन्हें निराश्रित छोड़ देते हैं। इनके अचानक से वाहन के सामने आ जाने से दुर्घटनाएं हो जाती हैं। इनको रोकने के लिए स्थानीय लोग जब भी ऐसे जानवरों को देखे, स्थानीय प्रशासन में सूचना दें। पशुओं के मालिकों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए।

सड़कों पर निराश्रित पशुओं की वजह से आए दिन हादसे होते रहते हैं। इसलिए नगर निगम की ये जिम्मेदारी बनती हैं कि वे निराश्रित पशुओं को पकड़कर गोशालाओं में छोड़कर आएं ताकि दुर्घटना भी न हो और निराश्रित पशुओं को भी समय पर चारा मिल सके। निराश्रित पशुओं से सड़क पर होने वाले हादसों को रोकने के लिए नेशनल हाईवे अथॉरिटी व राज्य सड़क परिवहन विभाग द्वारा सड़कों पर पशुओं के विचरण को रोकने के लिए ऊंची दीवार या डिवाइडर निर्मित किए जाने चाहिए। जो पशु सड़क मार्गों के आसपास घास या चारा खाने अथवा अन्य कोई वाहन चालकों द्वारा गिराए जाने वाले खाद्य उत्पाद को खाने के लिए वहां जाते हैं, उनके गले में चमकीले रेडियम के पट्टे/बैंड बांधे जाने चाहिए। जहां पर भी सड़क मार्ग निर्मित किए गए हैं यह रास्ते गोवंश के विचरण के रास्ते थे इसलिए स्वाभाविक रूप से पशु अपने रास्तों पर ही विश्राम करते हैं अतः इन निराश्रित पशुओं के लिए गोचर भूमियों को अतिक्रमण मुक्त कर उनमें गौशाला विकसित की जानी चाहिए। स्थानीय प्रशासन के द्वारा सड़कों पर घूमने वाले निराश्रित पशुओं को समय-समय पर पकड़ने की मुहिम चलानी चाहिए। इन निराश्रित पशुओं के सड़कों के बीचोंबीच बैठने से आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही हैं, जो अनेक बार जानलेवा बन रही हैं। पशुपालक अपने पालतू पशुओं को अपने घरों मे ही बांधकर रखें तो लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिल सकती हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नेताओं-अभिनेताओं के कुनबे में कुचलता हुनर

क्षमा शर्मा

अपने देश में लोकतंत्र है। इसे विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है, लेकिन यहां अब भी सामंतवाद की जड़ें बेहद गहरी हैं। इसका उदाहरण राजनीतिक दलों को देखकर मिलता है। फिल्मी दुनिया, जो अपने को देश-काल की सीमाओं से परे बताती है, में भी ऐसा ही है। अपने देश के अधिकांश राजनीतिक दलों की अगली पीढ़ी के रूप में नेताओं के बाल-बच्चे ही दिखाई देते हैं। पिता ही पुत्र का राजा की तरह राज्याभिषेक कर देते हैं। जिस तरह राजा की गद्दी उसके बेटे को ही मिलती थी, राजनीति में भी इसे बखूबी देखा जा सकता है। हां, कभी-कभार इसमें बेटियों, बहनों या पत्नियों को शामिल कर लिया जाता है। यानी कि हर हाल में सत्ता चाहिए। वह अपने बाद भी हमेशा बनी रहनी चाहिए। इसमें भी वारिस या उत्तराधिकार का नियम लागू है। बिहार के एक वरिष्ठ नेता, जो जयप्रकाश नारायण के कांग्रेस विरोधी आंदोलन की नैया पर सवारी करते हुए, राजनीति के शिखर पर आए, ने एक बार कहा था कि यदि हम अपने बच्चों की मदद नहीं करेंगे, तो क्या हमारे बच्चे भीख मांगेंगे। इसी तरह एक बार बोले थे कि अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री न बनाएं, तो क्या तुम्हारी पत्नी को बनाएं। उत्तर प्रदेश की एक पार्टी के बाईस परिवार जन राजनीति में बताए जाते हैं। हाल ही में फेसबुक पर किसी ने लिखा था कि बिहार की राजनीति में अनेक दलों में परिवार के सत्ताईस प्रतिशत लोग हैं। अपने परिवारजनों को आगे बढ़ाने में कोई भी दल पीछे नहीं है। महाराष्ट्र से लेकर झारखंड, हिमाचल, जम्मू कश्मीर, बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा बंगाल कहीं भी देख लीजिए। यानी कि बात तो आम जनता की होती है, लेकिन उसके प्रतिनिधित्व के नाम पर दलों के उच्च पद हमेशा परिवार जनों को ही मिलते हैं। ऐसा क्यों मान लिया जाता है कि नेतृत्व देने की सारी क्षमता, सिर्फ राजनेताओं के परिवारों के पास ही होती है। दरअसल तो यह शक्तिपूजक देश है। एक बार जो ताकत का स्वाद चख लेता है, वह उसे कभी खोना नहीं चाहता। राजनीति से ज्यादा शक्ति भला और किसके पास हो सकती है। बात चाहे जितनी गरीबी और साधनहीनता की की जाए, बाय द पीपुल, फार द पीपुल, आफ द पीपुल की हो, हर बात पर लोकतंत्र और सबकी बराबरी का ढोल पीटा जाए, असली मकसद साधनों का बेहिसाब जुगाड़ ही होता है। वर्ना तो ऐसा कैसे होता है कि राजनीति में आते ही एकाएक लोगों की आर्थिक स्थिति छलांगें मारती आकाश छूने लगती है।

कहा ये जाता है कि ये सारी आर्थिक ताकत भी समर्थक जुटाते हैं। साइकिल पर चलते नेता जी अचानक मर्सिडीज और पोर्श में नजर आने लगते हैं। और जब यह हर तरह की बेशुमार ताकत एक बार मिल गई, तो भला कौन इसे जाने दे। लोगों के बीच वर्षों लगाकर, जो जगह बनाई उसे किसी बाहर वाले को क्यों हड़पने दिया जाए। इसलिए सबसे पहले अपने ही बाल-बच्चों, अन्य परिवारजनों का ख्याल आता है। कहते हैं न कि घुटने हमेशा पेट की ओर ही मुड़ते हैं। आखिर वास्तविक लोकतंत्र चाहिए ही किसे। सत्ता, चाहे जैसे मिले, मिलनी चाहिए। इसे ही अंग्रेजी में नेपोटिज्म कहते हैं। जिसके मायने हैं कि अपने अधिकार का प्रयोग करके परिवार के सदस्यों को लाभ पहुंचाना। इसे ही भाई-भतीजावाद या कुनबापरस्ती कहते हैं। इन दिनों लोगों के जीवन को दो ही चीजें सबसे ज्यादा प्रभावित करती हैं- राजनीति और चकाचौंध से भरी फिल्मी दुनिया। फिल्मी दुनिया में भी कुनबापरस्ती या नेपोटिज्म का बोलबाला है। अब वहां कोई मिठुन चक्रवर्ती या धर्मेंद्र नहीं मिलता। कंगना राणौत जैसी भी कोई-कोई ही होती हैं, जिन्होंने इस दुनिया में प्रवेश के लिए कठिन संघर्ष किया। एक आध नवाजुद्दीन सिद्दीकी हो तो हो। जिस तरफ देखो उधर अपने ही बच्चों का बोलबाला है। यदि इनसे इस बारे में पूछा जाए तो बहुत से कहते हैं कि ऐसा कुछ नहीं है। हमें भी बहुत पापड़ बेलने पड़े हैं। कुछ बेबाक होते हैं, तो प्रति सवाल करते हैं कि आखिर नेपोटिज्म कहां नहीं है। और अब तो इसी प्रकार की तीसरी पीढ़ी भी फिल्मों में जगह बना रही है। उदाहरण के तौर पर राजकपूर की तीसरी पीढ़ी रणबीर कपूर, करिश्मा कपूर और करीना कपूर हैं। धर्मेन्द्र की तीसरी पीढ़ी सनी दयोल के बेटे करन हैं। अमिताभ बच्चन की तीसरी पीढ़ी अगस्त्य नंदा हैं, जो उनकी बेटी श्वेता के बेटे हैं। ये बच्चे हैं जिनके मुंह में चांदी की चम्मच हमेशा रही है, इसीलिए अगर ध्यान से देखें तो इस दौर में अब गरीबी और संघर्ष की बातों के मुकाबले उच्च मध्यवर्ग और अमीरों की जीवन शैली दिखाने वाली फिल्में अधिक बनती हैं। करीना कपूर के बेटे तैमूर का जन्म जब हुआ था, तो लिखा गया था- ए स्टार इज बोर्न। इसी तरह की बातें अभिषेक- ऐश्वर्य की बेटी आराध्या के जन्म पर भी कही गई थीं। फिल्मी दुनिया में कुनबापरस्ती की बात जिस अभिनेत्री ने जोर-शोर से उठाई थी, वह हैं कंगना रणौत। वह खुलेआम इस बात की आलोचना करती रही हैं।

जाति रहित समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण पहल

उत्तर प्रदेश में हाल में जारी प्रशासनिक आदेश समाज में एकजुटता लाने का वादा करता है। लेकिन सफलता इसकी सख्ती व निष्पक्षता पर निर्भर होगी। यदि ऐसा हुआ तो यह राजनीति विकास-केंद्रित बनाने का रास्ता खोलेगा। पार्टियां नीतिगत मुद्दों जैसे रोजगार, शिक्षा पर फोकस करेंगी।

डॉ. जोगिंदर सिंह

उत्तर प्रदेश, भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य, हमेशा से ही जाति की राजनीति का केंद्र रहा है। यहां की 80 लोकसभा सीटें राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करती हैं, और जातिगत समीकरण चुनावी दांव-पेच का आधार बनते हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक ऐसा आदेश जारी किया है जो इस पुरानी परंपरा को चुनौती दे रहा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में, राज्य सरकार ने पुलिस रिकॉर्ड्स, सार्वजनिक स्थानों, वाहनों और सोशल मीडिया पर जाति के उल्लेख पर प्रतिबंध लगा दिया। एफआईआर, गिरफ्तारी मेमो और सरकारी दस्तावेजों में अब आरोपी या पीड़ित की जाति नहीं लिखी जाएगी। जाति-आधारित रैलियों, स्टिकर, साइनबोर्ड और नारेबाजी पर सख्ती बरती जाएगी, हालांकि एससीएसटी अत्याचार निवारण एक्ट के मामलों में अपवाद रहेगा। सरकार का यह कदम न केवल प्रशासनिक सुधार का हिस्सा है, बल्कि गहरी सामाजिक और राजनीतिक रणनीति का संकेतक है।

क्या यह जातिवाद को जड़ से समाप्त करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है? उत्तर प्रदेश की राजनीति जाति पर टिकी है। यहां यादव, जाटव, कुर्मी, गुर्जर, ब्राह्मण और राजपूत जैसे समूह वोट बैंक का आधार हैं। सपा और बसपा जैसी पार्टियां तो जाति पर ही निर्भर हैं। सपा का 'पिछड़ा, दलित और मुस्लिम' फॉर्मूला और बसपा का 'बहुजन' एजेंडा जाति-आधारित रैलियों-सम्मेलनों पर है। हाल में सपा का गुर्जर सम्मेलन इसी रणनीति का हिस्सा था, लेकिन अब यह संभव नहीं रहेगा। अखिलेश यादव ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह केवल दिखावा है; असली भेदभाव मन में बसे 5000 साल पुराने जातिवाद को मिटाने के लिए क्या किया है? वहीं सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। वहीं भाजपा का 'हिंदुत्व' एजेंडा जाति से ऊपर उठ हिंदू एकता पर जोर देता रहा है। 'बंटोगे तो कटोगे' का नारा इसी का प्रतीक है।

वर्ष 2024 उपचुनावों में कुंदरकी जैसी मुस्लिम बहुल सीट पर राजपूत उम्मीदवार की जीत इसका उदाहरण है। लेकिन छोटी जातिगत सभाओं (जैसे ब्राह्मण या राजपूत महासभाओं) की बढ़ती सक्रियता भाजपा को चुनौती भी है। यह फरमान इन सभाओं को कुचल सकता है, जिससे भाजपा का हिंदू वोट बैंक मजबूत होगा। राष्ट्रीय स्तर पर जहां जाति जनगणना 2025 का मुद्दा गर्म है, यह कदम भाजपा को 'सामाजिक समरसता' का चेहरा देगा। बिहार चुनाव में जाति जनगणना का उपयोग विपक्ष के विरुद्ध हो सकता है। हालांकि, लंबे समय में यह राजनीति को 'विकास-केंद्रित' बनाने का रास्ता खोलेगा।

पार्टियां नीतिगत मुद्दों जैसे रोजगार, शिक्षा पर फोकस करेंगी, जो लोकतंत्र के लिए पॉजिटिव होगा। लेकिन अगर लागू न हुआ, तो विपक्ष को 'जातिवादी साजिश' का हथियार दे देगा। जाति उत्तर प्रदेश के समाज का केंद्रीय तंतु है। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, राज्य की 20 प्रतिशत आबादी एससी/एसटी है, 40-50 प्रतिशत ओबीसी और बाकी सवर्ण। लेकिन यह विभाजन हिंसा का कारण भी बनता है। यह आदेश ऐसी हिंसा कम करने में मदद कर सकता है। एफआईआर में जाति न लिखने से 'जातिगत अपराध' के आंकड़े कम दिखेंगे, जो पूर्वाग्रह कम करेगा। सार्वजनिक स्थानों से जातीय संकेत हटने से सामाजिक सद्भाव बढ़ेगा। सोशल मीडिया पर निगरानी से ऑनलाइन घृणा फैलाने वाले अभियान रुक सकते हैं। यह युवाओं को जाति से ऊपर उठने को प्रेरित करेगा, खासकर शहरी क्षेत्रों में जहां विकास, शिक्षा का प्रभाव बढ़ रहा है। लेकिन इस राह में चुनौतियां भी हैं। एफआईआर में जाति न लिखने से एससी/एसटी एक्ट के तहत न्याय मिलना मुश्किल हो सकता है। गांवों में प्रतिरोध पैदा कर सकता है।

ऊपरी जातियों की सभाएं प्रभावित होंगी, जो 'अभिव्यक्ति की आजादी' का सवाल उठा सकती हैं। अगर लागू न हुआ, तो यह सामाजिक तनाव बढ़ा सकता है। यह फरमान उत्तर प्रदेश को 'जाति-रहित' समाज की ओर ले जाने का वादा करता है, लेकिन सफलता सख्ती और निष्पक्षता पर निर्भर करेगी। राजनीतिक रूप से, यह भाजपा को मजबूत कर विपक्ष को बैकफुट पर ला सकता है, सामाजिक रूप से हिंसा कम करने और समरसता बढ़ाने का मौका देगा। लेकिन बिना शिक्षा, आर्थिक समानता आदि के ठोस परिणाम नहीं देगा। भारतीय संविधान की भावना 'समानता' की है। अगर यूपी यह मॉडल अपनाता है, तो राष्ट्रीय स्तर पर जाति की राजनीति कमजोर हो सकती है। इतिहास सिखाता है कि जाति आसानी से नहीं जाती। फिलहाल, यह एक साहसिक कदम है-समाज को एकजुट करने का।

घर पर बनाएं बाजार जैसा क्रिस्पी घेवर

जैसे ही नवरात्रि शुरू होती है तो चारों ओर खुशियां दिखने लगती हैं। नवरात्रि के अगले महीने में कई त्योहार भी आते हैं, इस कारण लोगों के मन में काफी उत्साह भी उमड़ने लगता है। खासतौर पर अगले महीने में दिवाली जैसे पर्व विशेष महत्व रखते हैं। अब जब बात त्योहारों की हो रही है तो मीठा बनना तो बनता है। ऐसे में घर पर घेवर बनना स्वाभाविक है। दरअसल, घेवर आने वाले इन त्योहारों की मिठास बढ़ाने का काम करता है। घेवर न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होता है, बल्कि इसके साथ एक भावनात्मक और सांस्कृतिक जुड़ाव भी है। कई जगहों पर घेवर को शगुन के रूप में भेजा जाता है। इसलिए घेवर घर आसानी से बनाया जा सकता है।

बैटर बनाने का सामान

मैदा- 1 कप, घी- ¼ कप, ठंडा दूध — ¼ कप, ठंडा पानी, बर्फ के टुकड़े - 4-5, घी।

चाशनी बनाने का सामान

चीनी- 1 कप, पानी- ½ कप, केसर और इलायची, घेवर को सजाने के लिए सामान, खोया या मावा, खरबूजे के बीज, चांदी का वर्क।

विधि

घेवर तैयार करने के लिए आपको सबसे पहले इसका बैटर तैयार करना है। इस बैटर को तैयार करने के लिए आपको सबसे पहले एक बर्तन में घी डालकर उसमें आइस क्यूब लेना है। इसके बाद उस बर्फ के टुकड़े को घी के बीच में रखकर हाथ से फेंटें। जब इसे आप लगातार फेटेंगे तो कुछ देर में ये क्रीमी होने लगेगा। जब ये क्रीमी टेक्सचर का हो जाए तो अब इसमें ठंडा दूध मिलाएं और फिर धीरे-धीरे मैदा डालें। इसके बाद थोड़ा-थोड़ा ठंडा पानी डालते हुए पतला घोल तैयार करें। ध्यान रखें कि इस घोल में एक भी गुठली नहीं होनी चाहिए। अब बारी आती है घेवर तैयार करने की तो इसके लिए सबसे पहले घेवर मोल्ड में घी या रिफाइंड ऑयल गरम करें। जब ये गरम हो जाए तो एक चमचे की मदद से धीरे-धीरे बैटर डालें। जब आप धीरे-धीरे बैटर डालेंगी तो ये आप फैल कर झरियों वाला हो जाएगा। बीच में छेद बना रहेगा। इसमें लगातार 10-15 सेकंड रुककर फिर से थोड़ा बैटर डालें। यही प्रक्रिया 4-5 बार दोहराएं। बनने के बाद इसे सुनहरा होने तक सेकें। जब ये सिक जाए तो इसे निकालकर साइड में रख दें। जब तक ये साइड में रखा है, तब तक इसकी चाशनी तैयार करें। इसके लिए पानी और चीनी को एक साथ उबालें जब तक कि एक तार की चाशनी बन जाए। चाशनी तैयार होने के बाद इसमें केसर और इलायची पाउडर डालें। तैयार घेवर को हल्की गर्म चाशनी में डुबोएं। चाशनी में जब ये अच्छी तरह से डूब जाएं तो तो इससे निकालकर इसके ऊपर रबड़ी या फिर मावा की परत लगाएं। ऊपर से खरबूजे के बीज डालें और चांदी का वर्क लगाएं। बस ये घेवर तैयार है।

हंसना मना है

पति (फोन पर पत्नी से)- तुम बहुत प्यारी हो...! पत्नी- थैंक्स...! पति- तुम बिल्कुल राजकुमारी जैसी हो...! पत्नी- थैंक्यू सो मच... और बताओ क्या कर रहे हो, पति- खाली बैठा था, सोचा मजाक ही कर लूं...! पत्नी आओ बेलन लेकर इंतजार कर रही हूं।

पति ने पत्नी से बड़े ही प्यार से कहा - काश तुम शक्कर होती, कभी तो मीठा बोलती... पत्नी- काश तुम अदरक होते, कसम से... जी भर के कूटती...! पत्नी का जवाब सुन कर पति बेहोश।

नए-नए डॉक्टर ने अपने जीवन में एक मरीज का पहला ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के थोड़ी देर बाद ही मरीज मर गया। डॉक्टर ने दीवार पर टंगी भगवान की तस्वीर की ओर हाथ जोड़कर सिर झुकाते हुए पूरी श्रध्दा से कहा- हे प्रभु, मेरी ओर से यह पहली भेंट स्वीकार कीजिए...

कहानी — अकबर का तोता

एक बार अकबर बाजार में भ्रमण पर निकले थे। वहां उन्होंने एक तोता देखा, जो बहुत ही प्यारा था। उसके मालिक ने उसे बहुत अच्छी बातें सिखाई थीं। अकबर यही देखकर खुश हो गए। उन्होंने उस तोते को खरीदने का फैसला कर लिया। तोते को खरीदने के बदले अकबर ने मालिक को अच्छी कीमत दी। वो उस तोते को राजमहल लेकर आए। यहां पर तोते को लाने के बाद अकबर ने उसे बहुत अच्छे से रखने का फैसला किया। अब अकबर जब भी उससे कोई बात पूछते, तो वह उस बात का तुरंत जवाब दे देता था। अकबर बहुत खुश हो जाते थे। वह तोता दिनों-दिन उनके लिए जान से भी प्यारा हो गया था। उन्होंने महल में उसके रहने के लिए शाही व्यवस्था करने का आदेश दिया। उन्होंने अपने सेवकों को कहा कि इस तोते का खास ख्याल रखा जाए। तोते को किसी भी प्रकार की तकलीफ नहीं होनी चाहिए।'उन्होंने यह भी कहा कि यह तोता किसी भी हालत में मरना तो बिल्कुल भी नहीं चाहिए। अगर किसी ने तोते के मरने की खबर उनको दी, तो वह उसको फांसी दे देंगे।'महल में तोते के रहने का खास ख्याल रखा जाने लगा। फिर एक दिन अचानक अकबर का प्यारा तोता मर गया। अब महल के सेवकों में हड़कंप मच गया कि आखिर अकबर को यह बात कौन बताएगा, क्योंकि अकबर ने कहा था कि जो भी तोते की मौत की खबर उन्हें देगा, वह उसकी जान ले लेंगे। अब सेवक परेशान थे। काफी सोच-विचार के बाद उन्होंने फैसला किया कि यह बात बीरबल को बताई जाए। सभी ने बीरबल को सारी बात बताई। यह भी बताया कि बादशाह अकबर मौत की खबर देने वाले को मौत की सजा देंगे। यह सुनकर बीरबल, बादशाह अकबर को यह खबर सुनाने को राजी हो गए। वो महल में अकबर को यह जानकरी देने के लिए चल पड़े। बीरबल ने अकबर के पास जाकर कहा कि महाराज एक दुखद खबर है।' अकबर ने पूछा- 'बताओ क्या हुआ?' बीरबल ने कहा कि महाराज आपका प्यारा तोता, न तो कुछ खा रहा है, न तो कुछ पी रहा है, न तो कुछ बोल रहा है, न आंखें खोल रहा है और न ही कोई हरकत कर रहा है।' अकबर गुस्से में आकर बोले कि न ही क्या? सीधा-सीधा क्यों नहीं बोलते कि वो मर गया है।' बीरबल ने कहा कि हां महाराज, लेकिन ये बात मैंने नहीं आपने कही है। इसलिए, मेरी जान बक्श दीजिए।' अकबर भी कुछ न बोल सके। इस तरह बीरबल ने बड़ी सूझबूझ से अपनी और अपने सेवकों की जान बचा ली।

7 अंतर खोजें

बिना ओवन के बनाएं पिज्जा

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे पिज्जा खाना पसंद न हो। चाहे बच्चों की बात करें या फिर बड़ों की, किसी भी उम्र के लोग पिज्जा खाने का कोई मौका नहीं छोड़ते। पर, कई बार बाजार का ज्यादा पिज्जा खाना शरीर के लिए काफी नुकसानदायक साबित हो सकता है। इसीलिए महिलाएं कोशिश करती हैं कि वो घर पर ही पिज्जा बनाकर अपने परिवार को परोसें। जिनके घर पर ओवन है, उनके लिए पिज्जा बनाना आसान है, लेकिन जिनके पास ओवन नहीं है, वो घर पर पिज्जा नहीं बना पाते। इसी के चलते हम आपको बिना ओवन के पिज्जा बनाने की रेसिपी बताएंगे, ताकि आप भी घर पर स्वादिष्ट और हेल्दी पिज्जा बना सकें।

बेस बनाने का सामान

मैदा- 1 कप, यीस्ट- 1/2 टीस्पून, चीनी- 1/2 टीस्पून, नमक- स्वादानुसार, दूध- आटा गूंथने के लिए, तेल- 1 टेबलस्पून।

पिज्जा सॉस

कटा हुआ प्याज, शिमला मिर्च, टमाटर, कॉर्न, ऑलिव (बच्चों की पसंद का ध्यान रखते हुए), मोजरेला चीज, चिली फ्लेक्स, मिक्स हर्ब्स।

विधि

पिज्जा का बेस तैयार करने के लिए सबसे पहले को एक बर्तन में मैदा, यीस्ट, चीनी, नमक और थोड़ा तेल मिलाएं। अब दूध की मदद से नरम आटा गूंथ लें। अब इसे कम से कम दो घंटे के लिए ढककर रख दें, क्योंकि यीस्ट को फूलने में समय लगता है। जब ये आटा पूरी तरह से फूल जाए तो इससे लोई बनाकर गोल बेल लें और बेस तैयार करें। बेस बनाने के बाद पिज्जा बेस पर पिज्जा सॉस लगाएं। फिर इसके बाद टॉपिंग्स लगाएं और फिर सबसे आखिर में मोजरेला चीज डालें। चीज ज्यादा सा डाल दें, क्योंकि बच्चों को एक्स्ट्रा चीज वाला पिज्जा ही पसंद आता है। अब सबसे अहम काम आता है बिना ओवन के इसे पकाना तो उसके लिए एक मोटे तले वाली कड़ाही को प्रीहीट करके तेज गर्म करें। अब अपनी कड़ाही के अंदर एक जाली रखें और फिर उस जाली के ऊपर पिज्जा वाली प्लेट रख दें। ध्यान रखें कि पिज्जा वाली प्लेट सीधा कड़ाही से न टच करें। अगर ऐसा होगा तो पिज्जा का बेस जल सकता है। पिज्जा कड़ाही में रखने के बाद कड़ाही को ढक्कन से अच्छे से कवर कर दें। अब धीमी आंच पर 10-15 मिनट तक पकाएं जब तक चीज मेल्ट न हो जाए और बेस कुरकुरा न हो जाए। पकने के बाद इसमें ऊपर से ऑरिनेनो और चिली फ्लैक्स डालें और बस बच्चों के लिए पिज्जा तैयार है।

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा।

वृषभ

धनागम होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। नौकरी में ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति के योग हैं।

मिथुन

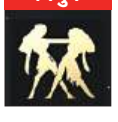

स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी।

कर्क

शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। विवाद न करें। दु:खद समाचार मिल सकता है। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। शत्रु से सतर्क रहें। समय का सदुपयोग होगा।

सिंह

प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी।

कन्या

वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। थकान रहेगी। रचनात्मक कार्य में मन लगेगा।

तुला

बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी।

वृश्चिक

फालतू खर्च होगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है। कुसंगति से हानि होगी। अनसोचे कार्य होंगे। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है।

धनु

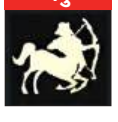

पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यापारिक गोपनीयता भंग न करें। पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा।

मकर

नए अनुबंध हो सकते हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुम्भ

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे।

मीन

चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम न लें। झंझटों में न पड़ें। आय में कमी होगी। व्यापार में लाभ होने के योग हैं। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म इंडस्ट्री में आपको खुद के लिए लड़ना पड़ता है : अनुपम खेर

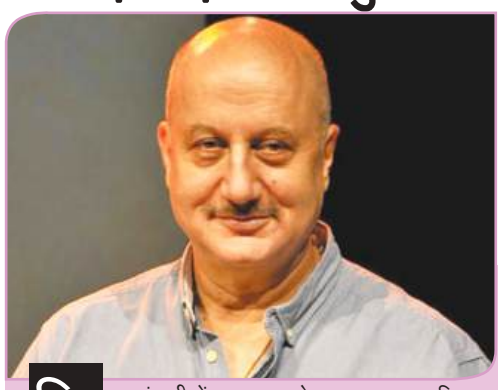

फिल्म इंडस्ट्री में चार दशक से ज्यादा का समय बिता चुके दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने हाल ही में अपने करियर के शुरुआती दिनों के स्ट्रगल को याद करते हुए एक बेहद भावुक किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा कि लाखों लोग मुंबई शहर में सपने लेकर आते हैं, लेकिन मौका कुछ ही लोगों को मिलता है। ऐसे में हार नहीं माननी चाहिए। एक इंटरव्यू मे बात करते हुए अनुपम खेर ने बताया कि कैसे उन्हें उनकी पहली बड़ी फिल्म सारांश में रोल मिलने के बाद भी अचानक हटाकर उनकी जगह पर इक्स्परीअन्स्ड एक्टर संजीव कुमार को ले लिया गया था। यह उनके लिए एक झटका था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। अनुपम खेर फिल्म निर्देशक महेश भट्ट से बार-बार मिलते रहे और आखिरकार उन्हें वह मौका मिल ही गया, जिसने उनका करियर बना दिया। अनुपम खेर ने कहा, जिंदगी ने कई बार मुझे परखा है। 1984 में रिलीज हुई सारांश फिल्म में अपने रोल के लिए मैं पूरी तरह तैयार था, लेकिन फिर मुझे बाहर कर दिया गया। अगर मैंने उस समय चुप्पी साध ली होती और खुद के लिए खड़ा नहीं होता तो शायद आज मैं इस मुकाम पर नहीं होता। फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे मौके कई बार आते हैं, जहां आपको खुद के लिए लड़ना पड़ता है। उन्होंने बताया कि यश चोपड़ा की फिल्म लम्हे के समय भी उन्हें कुछ ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, मेरे 40 साल के करियर में हर सफलता के पीछे स्ट्रगल की एक कहानी है। अनुपम खेर ने कहा, दर्शक हमेशा एक अच्छी प्रेम कहानी की तलाश में रहते हैं और मोहित सूरी जैसे निर्देशक आशिकी जैसी फिल्मों के जरिए उस पुराने जादू को वापस लाए हैं। फिल्मों के गाने भी जब दर्शकों को पसंद आते हैं, तो फिल्म की पहचान और भी मजबूत हो जाती है पर डिस्ट्रीब्यूटर और थिएटर मालिक केवल उन्हीं फिल्मों पर ध्यान देते हैं जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पांस करती हैं।

टॉम क्रूज के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं : अमीषा पटेल

अमीषा पटेल ने साल 2000 में ऋतिक रोशन के साथ फिल्म 'कहो न प्यार है' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। अपनी पहली पहली ही फिल्म से अमीषा इंडस्ट्री की नई सनसनी बन गई थीं। उनकी खूबसूरती की काफी चर्चा थी। अब अमीषा 50 साल की हो चुकी हैं और उन्होंने शादी नहीं की है। अब अमीषा ने अपने क्रश के बारे में खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम क्रूज पर जबरदस्त क्रश है। एक्ट्रेस ने यहां तक कहा कि वो उनके साथ कुछ भी करने को तैयार हैं।

यूट्यूबर और कंटेंट क्रिएटर रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान अमीषा पटेल ने अपने सेलिब्रिटी क्रश को लेकर बात की। इस दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि मुझे टॉम क्रूज पर क्रश है। अगर आप उनके साथ कोई पॉडकास्ट कर सकते हैं, तो प्लीज मुझे भी उस पॉडकास्ट में बुलाएं। मुझे बचपन से ही टॉम क्रूज पसंद हैं। मेरे पेंसिल बॉक्स में, मेरी फाइलों में उनकी तस्वीर लगी रहती थी और मेरे कमरे में सिर्फ टॉम क्रूज के ही पोस्टर होते थे। वो हमेशा से मेरा क्रश रहे हैं। मैं हमेशा मजाक में कहती हूं कि वो इकलौते ऐसे इंसान हैं जिनके लिए मैं अपने उसूलों को ताक पर रख सकती हूं। मैं उनके लिए कुछ भी कर सकती हूं। अगर आप मुझसे पूछें कि क्या तुम उनके साथ वन नाइट स्टैंड के लिए तैयार हो, तो हां मैं वो भी कर सकती हूं।

अमीषा ने यहां तक कहा कि अगर मुझे मौका मिलता तो मैं उनसे शादी कर लेतीं। इस दौरान अमीषा ने आगे कहा कि मैं शादी के लिए पूरी तरह तैयार हूं, बशर्ते मुझे कोई योग्य व्यक्ति मिले। कहते हैं न जहां चाह, वहां राह, इसलिए जो व्यक्ति मुझे हर मुश्किल से पार पा ले और मौके पर चौका मारले, वही मेरा साथी होगा। मुझे आज भी कई अच्छे परिवारों से तरह-तरह के प्रस्ताव मिलते रहते हैं। वैसे यह पहली बार नहीं है, जब अमीषा ने टॉम क्रूज के लिए अपना प्यार दिखाया हो। इससे पहले भी कई मौकों पर वो दिल खोलकर टॉम क्रूज की तारीफ कर चुकी हैं।

बॉलीवुड | मसाला

इमरान हाशमी बने साउथ के सुपरस्टार

इमरान हाशमी ने बॉलीवुड से लेकर साउथ फिल्म इंडस्ट्री का सफर तय कर लिया है। 25 सितंबर को पवन कल्याण संग उनकी फिल्म दे कॉल मी ओजी रिलीज हुई है। ओपनिंग डे से ही फिल्म का बंपर कलेक्शन शुरू हो चुका है। आइए जानते हैं इमरान हाशमी के करियर की उन फिल्मों के बारे में जिन्होंने ओपनिंग डे पर ताबड़तोड़ पैसे छापे थे।

वैसे तो 2003 से इमरान हाशमी लगातार अपने फैंस को एंटरटेन कर रहे हैं। उनकी फिल्मों का रिजल्ट भले ही बॉक्स ऑफिस पर जैसा भी रहा लेकिन आज भी अभिनेता की फिल्मों को ऑडिएंस याद करते हैं। इमरान हाशमी के करियर में ऐसी कई फिल्में हैं जिन्होंने अपने ओपनिंग डे के कलेक्शन से सभी को चौंकाया। आइए जानते हैं इस लिस्ट में कौन सी फिल्में शामिल हैं।

बॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर इमरान हाशमी में हिंदी फिल्मों में अपने एक्टिंग और पर्सनैलिटी का जलवा बिखेरने के बाद अब तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया है। आज पवन कल्याण संग उनकी फिल्म थिएटर्स में रिलीज हुई और ओपनिंग डे से ही इसने ताबड़तोड़ कमाई करना शुरू कर दिया है।

सैक्निल्क की रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने पहले ही दिन अब तक 70 करोड़ की कमाई कर ली है। ये फिल्म इमरान हाशमी के 22 साल के करियर में सबसे बड़ी ओपनिंग लेने वाली फिल्म बन चुकी है।

इमरान हाशमी की ये फिल्म 2017 में सिनेमा हॉल में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में एक्टर के साथ अजय देवगन और इलियाना डिक्रूज भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। बॉलीवुड हंगामा के रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर 12.6 करोड़ की कुल कमाई की थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का परफॉमेंस एवरेज रहा।

ये फिल्म इमरान हाशमी के करियर की बेहतरीन फिल्मों में से एक है। भट्ट कैंप की इस मूवी में इमरान हाशमी और बिपाशा बसु की जोड़ी को बहुत पसंद किया गया था। बॉलीवुड हंगामा के रिपोर्ट के अनुसार राज 3 ने अपने ओपनिंग डे पर 10.47 करोड़ की कमाई की थी।

दुनिया का सबसे अनोखा गांव, रात को एक देश में सोते हैं लोग, नाश्ते के लिए जाते हैं दूसरे देश!

नागालैंड की हरी-भरी पहाड़ियों में छिपा एक ऐसा गांव, जो नक्शे पर दो देशों के बीच लटका हुआ है—यह है लोंगवा, दुनिया का सबसे अनोखा बॉर्डर विलेज। यहां के लोग रात को भारत की गोद में सोते हैं और सुबह म्यांमार के बाजार में चाय की चुस्की लेते हैं। कल्पना कीजिए, आपका घर ही दो देशों में बंटा हो—सोफा भारत में, किचन म्यांमार में! सोशल मीडिया पर #LongwaMagic ट्रेंड कर रहा है, जहां लोग शेयर कर रहे हैं—'यहां बॉर्डर लाइन नहीं, लाइफलाइन है!' लेकिन यह सिर्फ वायरल स्टोरी नहीं, बल्कि पूर्वोत्तर भारत की अनकही सांस्कृतिक धरोहर है। लोंगवा मोन जिले में बसा है, जो नागालैंड का सबसे पूर्वी जिला है। समुद्र तल से करीब 1200 मीटर ऊंचाई पर स्थित यह गांव भारत-म्यांमार सीमा पर फैला हुआ है। इंटरनेशनल बॉर्डर गांव के ठीक बीच से गुजरती है, जिससे आधा हिस्सा भारतीय नागालैंड में, आधा म्यांमार के सागाइन राज्य में है। इस गांव का सबसे शॉकिंग फैक्ट है कि गांव के पारंपरिक राजा, जिन्हें 'अंग' कहते हैं, का घर बॉर्डर पर स्ट्रैडल करता है। अंग का सिर और ऊपरी शरीर भारत में, जबकि पैर और निचला हिस्सा म्यांमार में! यह घर सदियों पुराना है, लकड़ी का बना, जो कोन्याक नागा जनजाति की विरासत को दर्शाता है। वर्तमान अंग, 70 वर्षीय लॉन्गकुमर, दोनों देशों के कानूनों का पालन करते हैं—भारत में टैक्स, म्यांमार में कस्टम्स देते हैं। यहां के 800 से ज्यादा निवासी कोन्याक नागा हैं, जिन्हें 'भारत के आखिरी हेडहंटर्स' कहा जाता है। 19वीं सदी तक वे दुश्मनों के सिर काटकर ट्रॉफी बनाते थे, लेकिन आजादी के बाद यह प्रथा बंद हो गई। फिर भी, बुजुर्गों के चेहरों पर बांस की सुई से बने टैटू आज भी उन पुरानी कहानियों की गवाही देते हैं। टूरिस्ट्स इन टैटूज को देखने आते हैं, जो चेहरे पर ज्योमेट्रिक पैटर्न बनाते हैं। गांव की संस्कृति दोनों देशों का मिश्रण है—भारतीय हिस्से में हिंदू-ईसाई प्रभाव, म्यांमार वाले में बौद्ध छाप दिखाई देती है। लोग बिना वीजा या पासपोर्ट के सीमा पार करते हैं, क्योंकि भारत-म्यांमार के बीच 'फ्री मूवमेंट रिजीम' (एफएमआर) है। यह 16 किमी तक बिना डॉक्यूमेंट घूमने की इजाजत देता है। सुबह भारतीय बाजार में दाल-चावल, दोपहर म्यांमार में चाय-समोसा—ऐसी जिंदगी जीते हैं यहां के लोग। हालांकि, गांव तक पहुंचना आसान नहीं है। दीमापुर एयरपोर्ट से मोन टाउन तक 4 घंटे की ड्राइव, फिर लोंगवा तक 1 घंटा जंगल रोड है। रास्ते में हरी पहाड़ियां, बांस के जंगल और कभी-कभी वाइल्डलाइफ साइटिंग भी हो जाती है। 2025 में यहां पर्यटन बढ़ा है—पिछले साल 5000 विजिटर्स आए थे जबकि इस साल 7000 का अनुमान लगाया जा रहा है।

अजब-गजब | यहां लगी रहती है मर्दों की भीड़

यहां लगता है तलाकशुदा महिलाओं का बाजार

उत्तर-पश्चिम अफ्रीका के विशाल सहारा रेगिस्तान में बसा मॉरिटानिया, जहां रेत के टीलों के बीच एक ऐसी संस्कृति फल-फूल रही है जो दुनिया को हैरान कर देती है। यहां तलाक को ना तो कलंक माना जाता है, ना ही दुख का सबब—बल्कि यह महिलाओं की आजादी का प्रतीक है, जिसे धूमधाम से मनाया जाता है।

नौआखोत शहर का 'तलाकशुदा महिलाओं का बाजार' इसी का जीता-जागता उदाहरण है, जहां नव-तलाकशुदा महिलाएं इकट्ठा होकर घरेलू सामान बेचती हैं, जश्न मनाती हैं और नई जिंदगी की शुरुआत करती हैं। पुरुषों के बीच इनकी भारी डिमांड है—रीमैरिज के लिए चक्कर लगाते रहते हैं, क्योंकि समाज इन्हें 'अनुभवी' और आकर्षक मानता है। यह बाजार कोई साधारण मार्केटप्लेस नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक मंच है।

मॉरिटानिया, 1960 में फ्रांस से आजाद हुआ अरब-अफ्रीकी देश है, जहां 90 प्रतिशत इलाका सहारा रेगिस्तान है। यहां की आबादी करीब 45 लाख है। यहां की संस्कृति में तलाक की दर बेहद ऊंची है—कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिलाओं में 30-40 प्रतिशत शादियां तलाक पर खत्म हो जाती है। लेकिन

विपरीत रूप से, यह कलंक नहीं लाता। बल्कि, तलाक के बाद महिलाएं बाजार में आती हैं, जहां वे बर्तन, कालीन, बिस्तर जैसा घरेलू सामान बेचकर आर्थिक रूप से मजबूत होती हैं। साथ ही, एक-दूसरे को भावनात्मक सहारा देती हैं—गपशप, सलाह, हंसी-मजाक करती हैं। बाजार की हवा में उत्साह का संचार होता है, जैसे कोई शादी का मेला लगा हो। यहां महिलाएं चमकीले कपड़े पहनती हैं, हिना लगाती हैं और नाच-गाना करती हैं।

एक स्थानीय महिला ने मीडियम को बताया, 'तलाक मेरी जिंदगी का नया अध्याय था। बाजार ने मुझे ना सिर्फ पैसे दिए, बल्कि दोस्तों का समूह भी दिया। 'सबसे शॉकिंग हिस्सा? रीमैरिज की डिमांड। मॉरिटानिया में तलाकशुदा महिलाओं को अविवाहित लड़कियों से ज्यादा पसंद किया जाता है। कारण? वे 'अनुभवी' मानी जाती हैं—घर संभालना, रिश्ते निभाना जानती हैं। पुरुष बार-बार बाजार का चक्कर लगाते हैं, प्रस्ताव लेकर। हालांकि, ये महिलाएं दूसरी बार शादी करने से पहले लड़के के बारे में अच्छे से छानबीन करती हैं। इसके बाद जब वो हर तरफ से आश्वश्त हो जाती हैं तब ही शादी करती हैं।

मैं केवल वीकेंड पर काम करने वाला नेता नहीं : उदयनिधि

» डीएमके नेता ने टीवीके नेता पर किया कटाक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। उप मुख्यमंत्री उदयनिधि ने तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय पर उनके हालिया के चुनावी कार्यक्रमों को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो अपनी गतिविधियों को हफ्ते के एक ही दिन तक सीमित रखते हैं। उदयनिधि ने कहा कि सा व्यक्ति नहीं हूं जो सिर्फ शनिवार को ही बाहर निकलता हूं। मैं रविवार को भी यात्रा करता रहता हूं। मुझे तो यह भी नहीं पता कि आज कौन सा दिन है। उनकी यह टिप्पणी विजय के हाई-प्रोफाइल शनिवार के चुनावी कार्यक्रमों की तुलना में उनके लगातार प्रचार-प्रसार के विपरीत प्रतीत हुई। इस महीने की शुरुआत में, मंत्री दुरई मुरुगन ने अभिनेता-राजनेता के रवैये पर टिप्पणी करते हुए कहा, विजय पर्दे के पीछे से बोल रहे हैं। पहले उन्हें बाहर तो आने दो। इससे क्या फ़र्क़ पड़ता है कि वह अपना प्रचार शनिवार को करते हैं या रविवार को। हम अपना काम कर रहे हैं। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने भी विजय के प्रचार कार्यक्रमों पर कटाक्ष किया। एक राजनेता को चौबीसों घंटे, हफ्ते के सातों दिन उपलब्ध रहना चाहिए, सिर्फ सप्ताहांत पर नहीं। अगर टीवीके एक गंभीर पार्टी बनना चाहती है, तो उसे अपने कामों से यह दिखाना होगा। विजय लोगों से शनिवार और रविवार को मिलते हैं, हफ़्ते के दिनों में नहीं। उन्होंने आगे कहा था कि लोग इसे देखेंगे। अगर टीवीके डीएमके का मुख्य प्रतिद्वंद्वी बनना चाहता है, तो उसे यह दिखाना होगा। भाजपा और एआईएडीएमके के नेता जनता के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहते हैं। टीवीके को हफ़्ते के सातों दिन, 365 दिन उपलब्ध रहना चाहिए। अगर विजय कहते हैं कि वह लोगों से सिर्फ़ सप्ताहांत में ही मिलेंगे, तो इससे सवाल उठता है कि वह राजनीति को लेकर कितने गंभीर हैं।

महिलाओं पर डीएमके मंत्री के बयान पर घमासान

तमिलनाडु सरकार के मंत्री टीआरबी राजा विवादों में घिर गए हैं। महिलाओं पर की गई टिप्पणी के बाद उनपर सवाल खड़े हो रहे हैं। बीजेपी ने उनकी पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम पर महिलाओं का अपमान करने का आरोप लगाया है। टीआरबी राजा ने हाल ही में कहा था कि तमिलनाडु और अन्य राज्यों की महिलाओं में बहुत फर्क है। 100 साल बाद भी उत्तर भारत में महिलाओं की हालत में सुधार नहीं आया है। इसे लेकर अब राज्य में सियासी घमासान शुरू हो गया है। बता दें कि हाल ही में एक बयान के दौरान टीआरबी राजा ने कहा था कि तमिलनाडु और भारत के अन्य राज्य की महिलाओं में अंतर है। उन्होंने कहा, 100 साल बाद भी उत्तर भारत में महिलाओं की हालत नहीं बदली है। वहां की महिलाओं से मिलते ही लोग पूछते हैं कि आपके पति कहां काम करते हैं? और यहां कि महिलाओं से मिलकर पूछते हैं कि आप कहां काम करती हैं? यह बदलाव रातों रात नहीं आया बल्कि, इसे लाने में 100 दिन लग गए।

बीजेपी ने साधा निशाना

बीजेपी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने टीआरबी राजा को आड़े हाथों लिया है। शहजाद पूनावाला ने कहा, एक बार फिर डीएमके ने सीमा लांघते हुए यूपी-बिहार समेत पूरे उत्तर भारत की महिलाओं का अपमान किया है। कांग्रेस ने बिहार को बीड़ी बताया। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने बिहार के डीएनए को गाली दी। डीएमके ने कहा कि बिहार के लोग शौचालय साफ करते हैं। अब यूपी-बिहार की महिलाओं का ऐसा अपमान हो रहा है। तेजस्वी इसपर चुप क्यों हैं?

मंत्री विजयवर्गीय के बयान पर कांग्रेस भड़की

» पुतला जलाकर बोली- सरकार उन्हें पद से हटाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दमोह। दमोह जिला कांग्रेस कमेटी ने मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को लेकर दिए गए बयान पर विरोध जताया है। नगर पालिका टाउन हॉल में कांग्रेस के कार्यकर्ता एकत्रित हुए और विजयवर्गीय के विरोध में दो पुतले फूंके। विरोध प्रदर्शन की जानकारी लगने पर पुलिस बल पहले से यहां तैनात था और फायर ब्रिगेड भी मौजूद थी ताकि पुतला न जल सके, लेकिन कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ता अचानक कहीं से जला हुआ पुतला हाथ में लेकर सामने आ गए और नारेबाजी करने लगे। यह देख पुलिस ने कार्यकर्ताओं से पुतला छीन लिया और उसकी आग भी बुझा दी, लेकिन कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन जारी रहा।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मानक पटेल ने कहा कि मध्य प्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सांसद प्रियंका गांधी को लेकर गलत शब्दों का इस्तेमाल किया है। हर घर में मां बहन होती है, लेकिन इस तरह की भाषा का उपयोग कोई नहीं करता शब्दों की एक मर्यादा होती है। कैलाश विजयवर्गीय ने भाई बहन के रिश्ते को कलंकित किया है। हम चाहते हैं कि कैलाश विजयवर्गीय अपने बयान पर माफी मांगे और प्रदेश सरकार उन्हें मंत्री पद से अलग करे। जिला अध्यक्ष ने जीएसटी कम होने को लेकर भी एक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के सांसद, विधायक और मंत्री जीएसटी का उत्सव मना रहे हैं। इसके पहले आठ साल तक जो उन्होंने जनता को लूटा है, उसका उत्सव क्यों नहीं मना रहे। क्या वह जनता को बेवकूफ समझते हैं। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही।

भारत ने श्रीलंका को सुपरओवर में हराया

» भारत के 202 रन के जवाब में श्रीलंका ने 5 विकेट खोकर स्कोर किया बराबर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। एशिया कप 2025 का रोमांच उस वक्त चरम पर पहुंच गया, जब सुपर-4 का आखिरी मुकाबला भारत और श्रीलंका के बीच सुपरओवर तक जा पहुंचा। दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 202 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने भी निर्धारित ओवरों में पांच विकेट पर इतने ही रन बनाए और मुकाबला टाई हो गया। सुपरओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने केवल दो रन बनाए। जवाब में सूर्यकुमार यादव ने पहली ही गेंद पर तीन रन पूरे कर टीम को शानदार जीत दिला दी।

सुपरओवर में श्रीलंका के दो रन के जवाब में भारत ने तीन रन बनाकर जीता मैच

इससे पहले अभिषेक शर्मा ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अर्धशतक लगाया जबकि संजू सैमसन ने 39 रन की उपयोगी पारी खेलकर श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप के आखिरी सुपर 4 मैच में शुक्रवार को भारत को पांच विकेट पर 202 रन तक पहुंचाया। यह इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम का सर्वोच्च स्कोर है। तिलक वर्मा ने नाबाद 49 रन बनाए। अभिषेक ने 61 रन बनाकर अर्धशतकों की हैट्रिक लगाई। वहीं सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका के आक्रामक शतक ने भारतीय गेंदबाजों को एशिया कप में पहली बार दबाव में ला दिया लेकिन सुपरओवर में अर्शदीप सिंह के बेजोड़ प्रदर्शन से भारतीय टीम ने श्रीलंका को हराकर टूर्नामेंट में लगातार छठी जीत दर्ज की। इससे पहले निसांका 107 रन और परेरा 58 रन ने भारतीय गेंदबाजों को परेशानी में डाल दिया था।

एशिया कप में अभिषेक 300+ रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज

भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा इस वक्त अपने करियर के सुनहरे फॉर्म में हैं। एशिया कप टी20 2025 में श्रीलंका के खिलाफ सुपर-4 के आखिरी मुकाबले में उन्होंने एक नया कीर्तिमान रच दिया। इस एशिया कप में वह अब तक छह पारियों में 309 रन बना चुके हैं। अभिषेक किसी एक एशिया कप टी20 संस्करण में 300 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले किसी एक एशिया कप टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान के नाम था। उन्होंने 2022 में 281 रन बनाए थे। वहीं, विराट कोहली ने 2022 में 276 रन बनाए थे।

किसानों के लिए सहायता पैकेज मांग करें सीएम : राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में बीते कुछ दिनों की भारी बारिश के कारण किसानों का काफी ज्यादा नुकसान हुआ है। इस मामले पर शिवसेना (यूबीटी)के नेता संजय राउत ने सीएम देवेंद्र फडणवीस से कहा कि वे केंद्र से किसानों के लिए सहायता पैकेज की मांग करे। वहीं उद्धव ठाकरे 11 अक्टूबर को महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में विरोध मार्च का नेतृत्व करने वाले हैं।

ये विरोध मार्च अभूतपूर्व बारिश से प्रभावित किसानों की सहायता की मांग को लेकर निकाली जा रही है। राउत ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) किसानों के साथ खड़ी है और सरकार से राहत की मांग कर रही है। राउत ने बताया कि उद्धव ठाकरे ने बीजेपी नेतृत्व वाली राज्य सरकार से किसानों के लिए 50,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की आर्थिक मदद और कर्जमाफी की मांग की है।

केरल से बिहार तक एसआईआर पर नहीं रूक रहा संग्राम

» कांग्रेस ने सीएम विजयन को घेरा, उठाए बड़े सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के एसआईआर पर रुख की आलोचना की। वेणुगोपाल ने कहा कि विजयन को छोड़कर, जो इसका समर्थन करते रहे हैं, हर कोई एसआईआर का विरोध करता है। इसके अलावा, बिहार में एसआईआर को लेकर उठे विवाद के बीच, कांग्रेस महासचिव गुलाम अहमद मीर ने कहा कि पार्टी लोगों के बीच जाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी पात्र मतदाता मताधिकार से वंचित न रहे।

मीर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एसआईआर के खिलाफ नहीं है, लेकिन बिहार में इसके अचानक लागू होने के खिलाफ है। उन्होंने आगे कहा कि अगर चुनाव आयोग एसआईआर लागू करना ही चाहता था, तो उसे लोकसभा चुनावों के तुरंत बाद पूरे देश में ऐसा करना चाहिए था। वहीं वेणुगोपाल ने कहा, कांग्रेस एसआईआर के खिलाफ नहीं है। उन्हें लोकसभा चुनावों के बाद इसे पूरे देश में लागू करना चाहिए था, और लोगों को अपने दस्तावेज़ तैयार करने के लिए एक निश्चित समय दिया जाना चाहिए था। हम इस मुद्दे पर लोगों के बीच जाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि 18 साल से ज़्यादा उम्र का कोई भी व्यक्ति अपना वोट देने का अधिकार न खोए।

पंजाब की बाढ़ मानव निर्मित आपदा: बाजवा

» कांग्रेस नेता का आप सरकार पर गंभीर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने पंजाब में आई बाढ़ को मानव निर्मित आपदा बताया। पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र के बारे में बोलते हुए, उन्होंने राज्य सरकार पर बांधों से पानी छोड़ने के खराब प्रबंधन का आरोप लगाया और कहा कि केंद्र सरकार की बाढ़ राहत निधि अपर्याप्त थी। बाजवा ने कहा कि मैं पंजाब के लोगों को याद दिलाना चाहता हूं कि विधानसभा, लोकतंत्र का सदन, लोगों की समस्याओं का समाधान खोजने के लिए है। आज पंजाब में समाज का हर वर्ग पूरी तरह से दुखी है।

बाजवा ने कहा पंजाब के लोग, मेरी पार्टी और मेरा मानना है कि पंजाब की बाढ़ मुख्य रूप से मानव निर्मित आपदा थी।

मौसम विभाग ने पंजाब में मई-जून के महीनों में भारी बारिश की चेतावनी दी थी। केंद्रीय जल आयोग बांधों को नियंत्रित करता है। पंजाब को प्राकृतिक आपदाओं के लिए केंद्र से धन मिलता रहा, लेकिन पंजाब ने इस राशि में अपना हिस्सा क्यों नहीं दिया? बाजवा ने प्रश्नकाल और शून्यकाल जैसी चर्चाओं के अभाव के लिए विशेष सत्र की भी आलोचना की। बाजवा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भी राज्य को केवल 1600 करोड़ रुपये, यानी 8(प्रतिशत दिए। मेरा मानना है कि सिंचाई मंत्री मान साहब और सिंचाई सचिव व्यक्तिगत रूप से ज़िम्मेदार हैं।

मंत्री बरिंदर गोयल बोले- मोदी ने बाढ़ पर एक ट्वीट नहीं किया

जल संसाधन मंत्री बरिंदर गोयल ने कहा कि भाखड़ा ब्यास का सारा प्रबंध सरकार के पास होना चाहिए ताकी हम इस को लेकर फैसला ले सके कि कितना पानी छोड़ना है, कितना रोकना है। गोयल ने कहा कि 10 लाख क्यूसेक पानी खड्डों और नालों में आया है, जिस कारण धुस्सी बांध ओवरफ्लो हो गए, जो बाढ़ का कारण बना है। उन्होंने कहा कि बाढ़ के बाद मदद के बजाय केंद्र ने पंजाब को ही दोष दे दिया। बाढ़ का कारण खनन को बता दिया। यह कौन सी डिक्शनरी में लिखा है यह समझ नहीं आया। गोयल ने कहा कि पीएम मोदी ने भी देरी से दौरा किया। कोई पोस्ट नहीं किया पंजाब के लिए। सिर्फ 1600 करोड़ रुपये देकर गए हैं। यहां स्थानीय नेता भी पीएम मोदी को जस्टिफाई करने में लग गए, बल्कि बाढ़ पर बात हो, ये भूल गए।

भाजपा का एक ही मकसद, किसी भी तरह से चुनाव जीतना : प्रियंका

कांग्रेस महासचिव बोलीं - पुराने हथकंडे नहीं चले तो वो चोरी करने लगे वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में वायनाड की सांसद ने एनडीए सरकार पर बोला हमला न्यूज पटना । बिहार में वायनाड की सांसद व कांग्रेस की महासचिव ने भाजपा व मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। पहली बार अपनी एक चुनावी रैली को संबोधित करने मोतिहारी पहुंचीं कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का एक ही मकसद है कि किसी भी तरह से चुनाव जीतना और सत्ता में बने रहना। इसके लिए यह लोग जाति, धर्म और घुसपैठ जैसे मुद्दों को उछालते हैं। जब यह पुराने हथकंडे नहीं चले तो अब वोट की चोरी पर उतर आए हैं।

उन्होंने जनता से सवाल पूछा कि आप जानते हैं कि पिछले 20 साल से बिहार में कौन सत्ता में है? इन बीस साल में महिलाओं के लिए इन्होंने क्या किया? पिछले 20 साल तक नीतियां किसने बनाईं? तो फिर पिछले 20 साल में आपको 10,000 रुपये क्यों नहीं दिए? सरकार ने यह भी नहीं बताया कि यह राशि हर महीने मिलेगी या नहीं। यह भी क्यों नहीं बताया कि अब आपकी कीमत सिर्फ 10,000 रुपये रह गई है? इस सरकार ने बिहार की जनता के साथ अन्याय किया है। केवल भ्रम फैलाया है। अब हाल बदलने का समय आ गया है। आप बहुत झेल चुके हैं, अब असली बदलाव लाने का वक्त है।

राहुल गांधी असली देशभक्त हैं

प्रियंका गांधी ने कहा कि सांसद राहुल गांधी असली देशभक्त हैं। इसलिए वह जनता की पीड़ा को समझने के लिए 4,000 किलोमीटर पैदल चले। मैं यह इसलिए नहीं कह रही हूं कि वो मेरे भाई हैं। राहुल गांधी एक सच्चे देशभक्त हैं। सिर्फ एक असली देशभक्त ही 4,000 किलोमीटर पैदल चल सकता है, सिर्फ इसलिए कि वो लोगों की समस्याएं सुन सके और उनसे कुछ सीख सके।

राहुल गांधी दक्षिण अमेरिका की यात्रा पर रवाना

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के चार देशों की यात्रा पर रवाना हुए हैं जहां उनका प्रमुख नेताओं, छात्रों और व्यापारियों से मुलकात एवं संवाद का कार्यक्रम है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह जानकारी दी। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का यह विदेश दौरा कितने दिनों का है। खेड़ा ने एक्स पर पोस्ट किया, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दक्षिण अमेरिका की यात्रा पर रवाना हुए हैं। उनका चार देशों के नेताओं, विश्वविद्यालय के छात्रों और व्यापारिक जगत के सदस्यों से मिलने का कार्यक्रम है।"

ब्राजील और कोलंबिया में विश्वविद्यालय के छात्रों से बात करेंगे नेता प्रतिपक्ष

कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी ब्राज़ील और कोलंबिया का दौरा करेंगे जहां उनके विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत करने की उम्मीद है। पार्टी ने कहा कि वह कई देशों के राष्ट्रपतियों और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें करेंगे और लोकतांत्रिक एवं रणनीतिक संबंधों को मजबूत करेंगे। पार्टी ने यह भी कहा कि अमेरिकी शुल्क के मद्देनजर भारत व्यापार और साझेदारी में विविधता लाने के प्रयास कर रहा है और ऐसे में राहुल गांधी व्यापार जगत के प्रमुख लोगों के साथ मिलकर अवसरों की तलाश करेंगे। वह ब्राज़ील, कोलंबिया और अन्य जगहों के विश्वविद्यालयों के छात्रों से बातचीत करेंगे। कांग्रेस ने कहा कि यह महत्वपूर्ण यात्रा ऐतिहासिक महत्व रखती है और भारत तथा दक्षिण अमेरिका के बीच गुटनिरपेक्ष आंदोलन, ग्लोबल साउथ में एकजुटता तथा बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से लंबे समय से संबंध रहे हैं।

अपनी ही सरकार से दुखी हुए भाजपा विधायक

- एमएलए बोले- मैं इस्तीफा दे दूंगा
- सोलन विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी विधायक अशोक कोरी अधिकारियों की मनमानी और भ्रष्टाचार से हैं परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। उत्तर प्रदेश में अधिकारियों की मनमानी और भ्रष्टाचार से परेशान होकर, रायबरेली के सोलन विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी विधायक अशोक कोरी ने इस्तीफे की पेशकश कर दी है। उन्होंने साफ-साफ कहा है कि अगर उनके क्षेत्र का विकास नहीं होता है और अधिकारी इसी तरह से मनमानी करते रहे तो वह इस्तीफा देने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

विधायक की यह धमकी बताती है कि वो राज्य के विधायक अधिकारियों के सामने कितने मजबूर हैं। यह मामला तब सामने आया जब लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के विभागाध्यक्ष एके द्विवेदी क्षतिग्रस्त रतापुर ओवरब्रिज की जांच के लिए रायबरेली पहुंचे। विधायक अशोक कोरी ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए उनसे मुलाकात की। उन्होंने सलोन और ऊँचाहार की एक्सईएन संजू कुमारी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए. विधायक ने उनके सामने भ्रष्टाचार से जुड़े सबूत भी पेश किए। विधायक कोरी ने हाथ जोड़कर एके द्विवेदी के कहा, अगर सही जांच हुई तो ये अधिकारी दोषी पाए जाएंगे. अगर वे दोषी नहीं पाए गए तो मैं अपनी विधायकी से इस्तीफा दे दूंगा। उन्होंने आरोप लगाया कि एक्सईएन संजू कुमारी अपनी मनमानी कर रही हैं, इसलिए उनके विधानसभा क्षेत्र में कोई विकास कार्य नहीं हो पा रहा है।

उत्तर प्रदेश में मनमानी कर रहे हैं अधिकारी

विधायक का यह कदम दर्शाता है कि अधिकारी अब केवल जनता की ही नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों की भी बात नहीं सुन रहे हैं। उत्तर प्रदेश में अधिकारियों का भ्रष्टाचार इस कदर बढ़ गया है कि विधायकों को इस्तीफा देने जैसी बातें भी कहनी पड़ रही हैं. अब यह देखना दिलचस्प होगा कि योगी सरकार अपने इन मनबढ़ अधिकारियों पर क्या कार्रवाई करती है। यह घटना शासन और प्रशासन के बीच के संबंधों में बढ़ते तनाव को भी उजागर करती है।

एक्सप्रेसवे पर डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार थार, पांच लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों और घायलों की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

पुलिस के अनुसार हादसा दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे निकास संख्या नौ पर हुआ जब तेज रफ्तार थार में सवार चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और वाहन सीधे डिवाइडर से टकरा गया। पुलिस ने बताया कि तीन महिलाओं और दो पुरुषों समेत पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप

से घायल हो गया और उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार, सभी छह यात्री किसी काम से उत्तर प्रदेश से गुरुग्राम आए थे। सूचना मिलने पर सेक्टर 40 थाने से एक दल घटनास्थल पर पहुंचा और सभी छह लोगों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने पांच को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक अस्पताल में भर्ती है।

अपनी नाकामी छिपा रही भाजपा : अहमद मीर

वांगचुक के समर्थन में कांग्रेस, बोली- सोनम की गिरफ्तारी गैरजरूरी, प्रशासन ने बिगाड़ी स्थिति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लेह। कांग्रेस ने सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को गैरवाजिब बताते हुए लद्दाख प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी का कहना है कि प्रशासन ने पूरे मामले को गलत तरीके से संभाला है और अब अपनी नाकामी छुपाने की कोशिश कर रहा है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव गुलाम अहमद मीर ने अनंतनाग में कहा, सोनम वांगचुक एक सम्मानित और गांधीवादी विचारधारा वाले व्यक्ति हैं, जिन्होंने हमेशा लद्दाख के हितों के लिए काम किया है। उनकी गिरफ्तारी की कोई जरूरत नहीं थी। मीर ने यह भी कहा कि यह वही एनडीए सरकार है जिसने वांगचुक को विदेशी फंडिंग की अनुमति दी थी, और अब उस फंडिंग को

रद्द करके यह दिखाना चाह रही है कि जैसे वह पहले की सरकार की गलती थी। यह पूरी तरह से लद्दाख मामले का गलत प्रबंधन है और इसके लिए केंद्र सरकार और प्रशासन जिम्मेदार है। डोरू से विधायक मीर ने कहा कि लद्दाख की जनता राजनीतिक सशक्तिकरण चाहती है, एक विधानसभा के साथ पूर्ण केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल किया जाना, ताकि वहां की जनजातीय और सांस्कृतिक पहचान सुरक्षित रह सके। लद्दाख के लोग हमेशा शांतिप्रिय रहे हैं और उन्होंने कभी हिंसा का समर्थन नहीं किया है। जब बीजेपी द्वारा कांग्रेस पर हिंसा भड़काने के आरोप के बारे में पूछा गया, तो मीर ने साफ कहा कि यह केवल एक झूठा नैरेटिव है। जिस पार्षद पर आरोप लगाया जा रहा है, उसने साफ इनकार किया है कि वह किसी हिंसा में शामिल था। फोटो में दिख रहे व्यक्ति को लेकर भी साफ किया गया है कि वह पार्षद नहीं हैं।

हैदराबाद में बारिश से तबाही, मूसी नदी में बाढ़, 1000 लोगों को निकाला गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। हैदराबाद में शनिवार को भारी बारिश हुई, जिसके कारण शहर के जुड़वां जलाशयों, हिमायतसागर और उस्मानसागर के द्वार अधिकारियों द्वारा खोलने के बाद चदरघाट पुल के पास मुसी नदी उफान पर आ गई।

हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य हिस्सों में मूसी नदी के उफान पर होने के कारण निचले इलाकों में रहने वाले लगभग 1,000 लोगों को निकालकर राहत शिविरों में पहुँचाया गया है। जलाशय के गेट खोलने के बाद नदी के पास के घरों में पानी भर गया। अधिकारियों ने बताया

कि राहत शिविरों में स्थानांतरित किए गए निवासियों को भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएँ प्रदान की गईं। एएनआई के अनुसार, मूसलाधार बारिश के कारण तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के मीरपेट नगर निगम क्षेत्र के मिथिला नगर कॉलोनी में भी भारी जलभराव हो गया।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने भी मूसी नदी में भारी बाढ़ के बाद स्थिति की जानकारी ली और अधिकारियों को नदी से सटे सभी इलाकों में स्थिति पर नज़र रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से एहतियात के तौर पर निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को राहत शिविरों में स्थानांतरित करने को भी कहा। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने आगे कहा कि अधिकारियों को बाढ़ संभावित क्षेत्रों पर कड़ी निगरानी रखने और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने शनिवार को तेलंगाना के कई जिलों में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। पुलिस अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर चदरघाट पुल के पास की सड़क को बंद कर दिया, जिससे क्षेत्र में भारी यातायात जाम हो गया। इस बीच, तेलंगाना के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने अधिकारियों को जलमग्न सड़कों पर वाहनों की आवाजाही रोकने और पुलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।